सानूं तेरी आदत पै गई ऐ

तेरा विछौड़ा झळल्या न जावे,
बिन मिल्या सानूं चैन न आवे,
होर न बाकी दिल विच्च कोई, हसरत रह गई ऐ,
तेरे दर्श दी माँयें, सानूं आदत पै गई ऐ,
माँयें नी सानूं आदत पै गई ऐ, सानूं तेरी आदत पै गई ऐ,

तेरी ममता दी छाँवें माँ, जो सुख मिलदा ऐ,
लाड लडावें जद तूं, दिल ड़ा गुलशन खिलदा ऐ,
साडे पल्ले बस एहो इक्क, दौलत रह गई ऐ,
तेरे दर्श दी माँयें.....

सूना सूना लगदा ऐ माँ, बिन तेरे वेहड़ा,
तैनूं वेख के खिल जांदा ऐ, बच्चेयाँ दा चेहरा,
तेरे कर के साडे सिर तों, चिंता लैह गई ऐ,
तेरे दर्श दीं माँयें.....

बिन तेरे इक्क पल वी माँयें, जी नहीं पावांगे,
जहर जुदाई वाला हरगिज, पी नहीं पावांगे,
"दास" रहे चरणां विच्च, एहो चाहत रह गई ऐ,
तेरे दर्श दी माँयें.....

स्वर : पुनीत खुराना
रचना : अशोक शर्मा "दास"

Source: https://www.bharattemples.com/sahnu-teri-adaat-pae-gai-eh/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw